# राज्य सरकार की तीसरी वर्षगाँठ पर भव्य आयोजन होगा- भजनलाल

## मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी विभाग बेहतर समन्वय, सभी तैयारियाँ समय पर सुनिश्चित करें

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्य सचिव को कार्यक्रम की तैयारियों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।
- मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में मुख्य सचिव, श्रीनिवास, विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

जयपुर, 4 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवा, महिला, किसान और गरीब के कल्याण और प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। आगामी समय में भी विकास की इस निरंतरता को बनाए रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ''विकसित भारत-विकसित राजस्थान'' के विजन के अनुरूप कार्य किया जाएगा। इस विजन को राज्य सरकार अपनी तीसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जयपुर में एक भव्य समारोह में जनता के सामने रखेगी।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विकसित ग्राम शहरी वार्ड अभियान के माध्यम से वर्ष 2047 तक गांव और शहरों के समग्र विकास का ब्लूप्रिंट तैयार किया गया है।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि महाराणा प्रताप, महाराजा सूरजमल, मां अमृता देवी और मीराबाई जैसी विभूतियों के इतिहास से युवाओं को रूबरू कराते हुए प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी विभाग बेहतर समन्वय स्थापित कर सभी तैयारियां समय पर सुनिश्चित करें, ताकि कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं भव्य बनाया जा सके। विभिन्न जिलों में भी वर्षगांठ से संबंधित गतिविधियों की कार्ययोजना बनाएं। उन्होंने मुख्य सचिव को कार्यक्रम की तैयारियों की नियमित मॉनिटरिंग करने के लिए भी निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव सहित, संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

## 'चुनाव में दो से अधिक बच्चों का कानून प्रासंगिक नहीं रहा''

- सुप्रीम कोर्ट ने तीसरे बच्चे पर अयोग्य करार दिये प्रत्याशी को योग्य घोषित किया।

नई दिल्ली, 04 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने आज एक ऐतिहासिक टिप्पणी में कहा कि दो से अधिक बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने या दंडित करने वाले कानूनों की प्रासंगिकता अब पूरी तरह खत्म हो चुकी है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली बेंच ने स्पष्ट किया कि पिछले कुछ दशकों में आए जनसांख्यिकीय बदलावों के कारण अत्यधिक जनसंख्या का पुराना डर अब खत्म हो चुका है, जो ऐसे कानूनों का मुख्य आधार था।

अदालत ने महाराष्ट्र के ककोडा ग्राम पंचायत की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव की अयोग्यता को रद्द कर दिया, जिन्हें तीसरा बच्चा होने पर महाराष्ट्र ग्राम पंचायत अधिनियम, 1959 के तहत अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

अदालत ने चेतावनी दी कि यदि इन कानूनों को नहीं बदला गया, तो भारत को भविष्य में बूढ़ी होती आबादी और कामकाजी युवाओं की कमी जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

# पैसेंजर ट्रेन गुज़रने के बाद अनूपगढ़ में रेलवे ट्रैक पर बड़ा धमाका

## ब्लास्ट से रेलवे पटरी के नीचे लगे सीमेंट के दो ब्लॉक पूरी तरह टूट गए

- आईबी, सीआईडी व एंटी टैरेरिस्ट स्कवॉड की टीमें मौके पर पहुँची। पुलिस जाँच कर रही है कि इस ब्लास्ट के पीछे किसका हाथ है।

श्रीगंगानगर, 4 नवम्बर (निसं)। जिले की अनूपगढ़-सूरतगढ़ रेलवे लाइन पर पैसेंजर ट्रेन गुजरने के करीब 45 मिनट बाद ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना जोरदार था कि आवाज 200 मीटर दूर तक सुनाई दी। ब्लास्ट के कारण रेलवे पटरी के नीचे लगे सीमेंट के दो ब्लॉक (सिल्लियां) पूरी तरह से टूट गए।

पटरियों के बीच दो फीट गहरा गड्ढा हो गया। घटना देर रात करीब 9:45 बजे, अनूपगढ़ कस्बे के 50 जीबी गांव के पास की है। ब्लास्ट की जानकारी मिलने के बाद आईबी, सीआईडी और एंटी टेरेरिस्ट स्क्वॉड के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस के अनुसार, बुधवार सुबह नौ बजे तक इस लाइन पर ट्रैफिक बंद किया गया।

रामसिंहपुर सीआई रामप्रताप ने बताया कि रात 8:30 बजे अनूपगढ़ जंक्शन से सूरतगढ़ की ओर जाने वाली ट्रेन रवाना हुई थी। करीब 9 बजे ट्रेन 50 जीबी गांव के आस-पास पहुंची। ट्रेन गुजरने के करीब 45 मिनट बाद पटरी पर धमाका हुआ। धमाके की आवाज सुनकर 200 मीटर दूर बसी ढाणी में रहने वाले लोग पटरियों के पास पहुंचे। उनकी सूचना के बाद रात 11 बजे पुलिस व दूसरे अधिकारी रात करीब दो बजे आईबी और सीआईडी की टीम तथा सवा दो बजे एटीएस के एडीशनल एसपी सुरेन्द्र कुमार मौके पर पहुंचे।

श्रीगंगानगर एसपी हरिशंकर ने कहा कि ब्लास्ट की तीव्रता कितनी थी और रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचाने के पीछे किसका हाथ है, इसकी जांच की जा रही है। एफएसएल की टीम यहां से सैंपल लेकर जांच करेगी। घटना के बाद, सुरक्षा और जांच के कारण सुबह नौ बजे तक ट्रेनों को रद्द कर दिया गया। घटनास्थल पर जांच और सुरक्षा से जुड़ी कार्रवाही जारी है।

## नेतन्याहू व ट्रंप की ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

मुश्किल में थे, लेकिन उन्होंने वास्तविकता को स्वीकार करने से लगातार इनकार किया। उन्हें लगता रहा कि थोड़ी बहुत हेराफेरी से हालात फिर सामान्य हो जाएंगे। अगर ट्रंप ईरान पर हमले जारी रखने पर अड़े रहते हैं और डेमोक्रेट्स की बात नहीं सुनते, तो उन्हें महाभियोग का सामना करना पड़ सकता है। यह प्रक्रिया अपेक्षा से पहले भी शुरू हो सकती है। और तीसरे हैं नरेन्द्र मोदी, जो नेतन्याहू और ट्रंप, दोनों के प्रभाव में चलते रहे हैं।

विपक्ष, खासकर राहुल गांधी के नेतृत्व में, मोदी पर लगातार हमले कर रहा है और उन्हें कई तरह की राजनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

सरकार को भीतर से भी अस्थिरता का सामना करना पड रहा है। जनता के बड़े वर्ग का समर्थन उससे दूर होता दिखाई दे रहा है। अब यह अनुमान का विषय है कि मोदी और उनकी सरकार के खिलाफ राजनीतिक माहौल निर्णायक रूप से कब बदलता है।

## जयपुर की पिया डांडिया अमेरिका ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

फार्माकॉलजिस्ट डा. पी.सी. डांडिया की पौत्री हैं। डांडिया परिवार रामबाग सर्किल पर रहता है। डॉ. डांडिया 101 वर्ष के हो चुके हैं और वे सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर एमरिटस रह चुके हैं और अन्तराष्ट्रीय स्तर पर प्रख्यात फार्माकॉलजिस्ट हैं।

पिया 38 वर्ष की हैं और उनके पति नवनीत अलघ हैं, जो महाराष्ट्रियन हैं। उनके साहिब नाम का एक पुत्र है।

स्कूल की प्रधानाध्यापिका पद पर रहकर पिया ने ड्रेमोक्रैटिक पार्टी से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरु की। उनकी माता ने पाल्म बीच के निकट जूपिटर में एक मॉन्टेसरी स्कूल, पिया की शिक्षा को ध्यान में रखकर, खोला था। पिता डॉ. रोहित ने निजी प्रैक्टिस की और माँ शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी रहीं।

- पिया डांडिया फ्लोरिडा राज्य के बाइसवें कांग्रेसनल जिले से रिपब्लिकन प्रत्याशी केसी अस्कर को हरा कर हाउस ऑफ रिप्रैज़ैन्टेटिव्स पहुँचीं।

शुरु से ही पिया ने गरीब बच्चों की मदद और उनकी शिक्षा के लिए कार्य किया और स्वयं विश्व प्रसिद्ध हारवर्ड विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की और प्रतिभावान होने के कारण उन्हें वाइट हाउस फैलो बनने का सम्मान मिला।

शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात, वे अपने स्कूल के विकास तथा गरीब बच्चों को शिक्षित करने में लग गईं।

वे नियमित रुप से अपने दादा-दादी के पास आती थीं। उनकी दादी स्वर्गीय चन्द्रकांता राजस्थान विश्वविद्यालय के प्रौढ़ शिक्षा विभाग की निर्देशक रहीं। जयपुर आकर वह अपने रिश्तेदारों से भारतीय रीति-रिवाज और संस्कृति तथा परम्परा के बारे में जानकारी लेती थीं।

दिल्ली जाकर उन्होंने कच्ची बस्ती में काम किया और बच्चों के बीच शिक्षा की अलख जगाई।

अपने विजय सम्बोधन में उन्होंने अपने प्रशंसकों से कहा कि वे अपने लोगों के कल्याण के लिए लड़ेंगी तथा लोगों की शिक्षा और स्वस्थ जीवन के लिए काम करेंगी।

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, पिया डाण्डिया संभवत: सर्दियों में क्रिसमस की छुट्टियों के दौरान अपने 100 वर्षीय दादा से मिलने आएंगी।

## पूर्व विधायक ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

से जुडा गंभीर आर्थिक अपराध का है। वर्तमान में केस की ट्रायल चल रही है। यदि आरोपी को जमानत दी गई तो वह साक्ष्य को प्रभावित कर सकता है। इसलिए उसकी जमानत याचिका को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

गौरतलब है कि बलजीत यादव साल 2018 में बहरोड विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय विधायक के तौर पर जीते थे। स्कूलों के लिए खेल सामग्री की खरीद में कथित भ्रष्टाचार को लेकर एसीबी ने 12 दिसंबर, 2024 को मामला दर्ज किया था। इसके बाद ईडी ने प्रकरण में वित्तीय लेन-देन की जांच आरंभ की थी। प्रारंभिक जांच के बाद ईडी ने गत 3 फरवरी को बलजीत यादव को गिरफ्तार किया था।

## 'कई साल पहले जब मैंने पंजाब ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

और मुझे संसद में बोलने नहीं देते।''

मंगलवार को अमित शाह ने कहा था कि सरकार एसआईआर प्रक्रिया पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार है। उन्होंने विपक्ष को इस बहस में शामिल होने की चुनौती दी थी।

राहुल गांधी ने अपने भाषण की शुरुआत सभा में मौजूद लोगों से यह पूछकर की, ''आज आपका मूड कैसा है?''

अपने संबोधन से पहले राहुल ने बताया कि दिवंगत गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह उनसे मिलने आए थे।

गांधी ने कहा, ''मैंने अपने भाषण की योजना बना रखी थी, लेकिन कुछ मिनट पहले सिद्धू मूसेवाला के पिता मुझसे मिलने आए। इसलिए मैंने अपनी योजना बदल दी''

इसके बाद, उन्होंने कई साल पहले मूसेवाला से हुई मुलाकात को याद किया। उस समय वे उनके बारे में ज्यादा नहीं जानते थे।

गांधी ने कहा, ''कुछ साल पहले सिद्धू मूसेवाला मुझसे मिलने मेरे कार्यालय आए थे। उस समय मैं उन्हें नहीं जानता था। वे मुझे एक प्रभावशाली युवा लगे। उनके शरीर पर टैटू था। मैंने तब तक उनके गाने भी नहीं सुने थे।

मुझे बताया गया कि वे एक अच्छे इंसान और संगीतकार हैं तथा कांग्रेस में शामिल होना चाहते हैं। वे ऊर्जावान और प्रतिभाशाली युवा थे और हमने उन्हें पार्टी में शामिल कराया।''

उन्होंने कहा, ''मुझे लगा कि राजनीति में नए होने के कारण, उन्हें सहज महसूस कराना चाहिए। वे शायद पंजाब के सबसे प्रतिभाशाली गायकों में से एक थे और राजनीति में भी अपनी पहचान बना सकते थे।''

ज्ञातव्य है कि शुभदीप सिंह सिद्धू, जिन्हें सिद्धू मूसेवाला के नाम से जाना जाता था, की 29 मई 2022 को पंजाब के मानसा जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

कांग्रेस नेता ने कहा, ''उनके गीतों में पंजाब की आवाज सुनाई देती थी। मैंने उनके गाने बाद में सुने।'' उन्होंने कहा, ''उनकी सुरक्षा हटा ली गई थी और एक दिन दिनदहाड़े उनकी हत्या कर दी गई।''

गांधी ने बताया कि बाद में जब वे मूसेवाला के घर गए थे, तो उनके पिता ने उनसे कहा था कि अपने बेटे की मौत देखने से बड़ा दुख कोई नहीं हो सकता।

## दिल्ली पुलिस ने प्रशांत भूषण के खिलाफ एफआईआर दर्ज की

- उन पर रूस के विदेश मंत्री लावरोव का डॉक्टर्ड वीडियो साझा करने का आरोप है।

नई दिल्ली, 04 नवंबर। दिल्ली पुलिस ने वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण के खिलाफ रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का डॉक्टर्ड वीडियो (छेड़छाड़ कर तैयार वीडियो) साझा करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है।

पुलिस के अनुसार, तीन नवंबर को साइबर पेट्रोलिंग के दौरान यह मामला सामने आया था। इस संबंध में स्पेशल सैल थाने में एफआईआर संख्या 263/26 दर्ज की गई है।

## भारत के लिए क्या ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

चुनौती मिल चुकी है। इसके अलावा, भारतीय आईटी कंपनियों की अधिक कड़ी जांच से उन लाखों भारतीय पेशेवरों और कंपनियों के बीच अनिश्चितता पैदा हो गई है, जो इस वीज़ा कार्यक्रम पर निर्भर हैं। डेमोक्रेट्स का बहुमत ऐसे विधायी प्रस्तावों को रोक सकता है, जिनका उद्देश्य वीज़ा संबंधी नियमों को और सख्त करना है। वे वीज़ा और ग्रीन कार्ड जारी करने वाली सरकारी एजेंसियों के कामकाज की अधिक जांच कर सकते हैं और इस बात को सामने ला सकते हैं कि इन नीतियों का अमेरिकी तकनीकी क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा पर क्या असर पड़ता है। हालांकि, राष्ट्रपति के तत्काल फैसले लेने के अधिकार खत्म नहीं होंगे, लेकिन कांग्रेस का विरोध नियमों को कानून के जरिए और सख्त बनाने की कोशिशों को सीमित कर सकता है। साथ ही, इससे उन कंपनियों की आवाज को अधिक महत्व मिल सकता है, जो कुशल विदेशी कर्मचारियों पर निर्भर हैं।

इस बीच, भारत को अमेरिकी कांग्रेस में दोनों दलों, डेमोक्रेट्स एवं रिपब्लिकन्स का समर्थन मिलने की उम्मीद है। दोनों दलों के सांसद लंबे समय से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा रणनीतिक चिंताओं को देखते हुए भारत को एक महत्वपूर्ण साझेदार मानते रहे हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के नियंत्रण से ट्रंप की नीतियों के कुछ पहलुओं, जैसे रूस के साथ भारत के ऊर्जा संबंधों को लेकर बनाए जा रहे दबाव की पहले से अधिक जांच हो सकती है। लेकिन इससे रक्षा, प्रौद्योगिकी और कूटनीतिक सहयोग के बुनियादी रिश्तों पर असर पड़ने की संभावना कम है। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसदों और भारत समर्थक सांसदों के समूह का प्रभाव बना रहेगा। नया बहुमत ऐसे रास्ते भी खोल सकता है, जिनसे सुनवाई और धन आवंटन के जरिए भारत-अमेरिका संबंधों को और मजबूत किया जा सके।

# चुनाव आयुक्तों को कानूनी सुरक्षा के कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई

## सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार व चुनाव आयोग को नोटिस भेजा

- इस कानून के खिलाफ सोशल एक्टिविस्ट अरुण अग्रवाल एसोसिएशन फॉर डैमोकेटिक रिफॉर्म्स और सांसद मनोज झा याचिका दायर की है।

नई दिल्ली, 04 नवंबर। उच्चतम न्यायालय के सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने आज केन्द्र सरकार और निर्वाचन आयोग (ईसीआई) से एक याचिका पर चार हफ्ते में जवाब मांगा है। इस याचिका में एक ऐसे कानूनी प्रावधान को चुनौती दी गई है, जो मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और अन्य निर्वाचन आयुक्तों (ईसी) को उनके कर्तव्यों के पालन के दौरान किए गए किसी भी कार्य के लिए कानूनी कार्रवाई से सुरक्षा प्रदान करता है।

यह विवाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त अधिनियम, 2023 की धारा 16 को लेकर है। यह प्रावधान चुनाव आयुक्तों को उनके कार्यकाल के दौरान या सेवानिवृत्ति के बाद भी किसी भी दीवानी (सिविल) या आपराधिक कानूनी कार्रवाई से पूरी तरह से और आजीवन सुरक्षा प्रदान करता है। सामाजिक कार्यकर्ता अरुण कुमार अग्रवाल, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और सांसद मनोज झा ने इस धारा की संवैधानिक वैधता को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से वकील नेहा राठी और फौजिया शकील पेश हुईं।

याचिका में कहा गया है कि मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त, ज्ञानेश कुमार के आचरण को लेकर भी गंभीर सवाल उठे हैं। ये सवाल केरल सरकार के लोक निर्माण विभाग में सचिव के तौर पर उनके कार्यकाल के दौरान लगे आरोपों से जुड़े हैं।

इस संदर्भ में याचिकाकर्ता ने सवाल उठाया है कि क्या कानून के तहत चुनाव आयुक्तों को ऐसे कार्यों के लिए भी पूरी छूट मिलनी चाहिए, जो शायद नेक नीयती से न किये गये हों।

## लापता 8 ट्रैकर्स में से चार के शव बरामद

- उत्तरकाशी में केदारताल ट्रैक पर हिमस्खलन की चपेट में आठ ट्रैकर्स लापता हो गए थे।

उत्तरकाशी, 04 नवंबर। उत्तरकाशी जिले में केदारताल ट्रैक पर हिमस्खलन की चपेट में आकर लापता हुए आठ सदस्यीय दल के चार सदस्यों के शव बरामद किए गए। इनमें दो महिलाओं और दो पुरुषों के शव हैं।

दो महिला मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के लखनऊ निवासी सगी बहनों के रूप में हुई है, जबकि दो पुरुषों की पहचान पश्चिम बंगाल निवासी पर्यटकों के रूप में बताई गई है। हालांकि, उनकी आधिकारिक पहचान की पुष्टि परिजनों के पहुंचने के बाद होगी। मौसम अनुकूल नहीं रहने के कारण बचाव अभियान रोक दिया गया। शेष लापता लोगों की तलाश के लिए गुरुवार को फिर अभियान चलाया जाएगा।

अधिकारियों के अनुसार, 27 अक्टूबर को सात ट्रेकर्स और पांच सहयोगी कर्मचारियों सहित, कुल 12 सदस्य गंगोत्री से केदारताल ट्रेक के लिए रवाना हुए थे। इनमें से तीन पोर्टर और एक रसोइये सहित, चार लोगों को शनिवार तक सुरक्षित बचा लिया गया था। इसके बाद भारी बर्फबारी और हिमस्खलन की चपेट में आने से सात ट्रेकर्स और एक गाइड समेत, आठ लोग लापता हो गए थे।

## अमेरिका के मिड टर्म चुनाव नतीजों ने ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

अमेरिका में घरेलू राजनीतिक डवलपमैंट के बजाय, आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों से तय होती रहेगी।

चीन ने इस घटनाक्रम पर संतुलित प्रतिक्रिया दी है। उसने इस बात पर जोर दिया कि वॉशिंगटन के साथ उसके संबंध अमेरिका के घरेलू राजनीतिक हालात में बदलाव से तय नहीं होने चाहिए।

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि ''अमेरिका के मध्यावधि चुनाव उसका आंतरिक मामला हैं और बीजिंग दोनों देशों के नेताओं के बीच हुए समझौतों के आधार पर वॉशिंगटन के साथ काम करने को तैयार है।''

उन्होंने कहा, ''चीन दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को सुरक्षित रखने और लागू करने, बातचीत को मजबूत करने, मतभेदों को उचित तरीके से संभालने और सहयोग बढ़ाने के लिए अमेरिका के साथ काम करने को तैयार है।''

यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है, जब राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ट्रंप व्यापार तथा रणनीतिक मामलों में काफी तनाव के बाद दोनों देशों के संबंधों को स्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, बीजिंग के लिए डेमोक्रेट्स की जीत का यह मतलब नहीं है कि अमेरिका का रुख उसके प्रति अधिक नरम हो जाएगा। वॉशिंगटन में चीन की तकनीकी महत्वाकांक्षाओं, आर्थिक प्रभाव और सुरक्षा नीतियों को लेकर दोनों दलों की चिंताएं बनी रहने की संभावना है, भले ही अमेरिकी कांग्रेस का कंट्रोल बदल गया हो।

रूस ने डेमोक्रेट्स की जीत के प्रभाव को कम करके आंका है। उसने साफ कर दिया है कि इस नतीजे से उसकी विदेश नीति या यूक्रेन को लेकर उसके रुख में कोई बदलाव नहीं आएगा।

रूस के उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी के नेतृत्व का मॉस्को के प्रति रुख बहुत नकारात्मक रहा है।

रूसी के सरकारी मीडिया के अनुसार, उन्होंने कहा, ''यूक्रेन को लेकर हमारा उसूलों वाला और लगातार बना रहने वाला रुख, साथ ही हमारी सामान्य विदेश नीति, शॉर्ट टर्म बातों पर नहीं है। स्वाभाविक रूप से, यह दूसरे देशों में राजनीतिक हालात में होने वाले उतार-चढ़ाव पर भी निर्भर नहीं करता।''

उन्होंने आगे कहा कि मॉस्को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निर्देशों के अनुसार काम करता रहेगा।

यह प्रतिक्रिया रुस के इस अंदाज़े को दर्शाती है कि कांग्रेस में डैमोक्रैट्स के बढ़ते प्रभाव से यूक्रेन, प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर वॉशिंगटन के साथ उसके मतभेद कम होने की संभावना नहीं है।

यूरोपीय नेताओं ने बड़े पैमाने पर डेमोक्रेट्स की जीत का स्वागत किया है। कई नेताओं ने इस नतीजे को इस बात का सबूत माना है कि राइट विंग पॉपुलिस्ट मूवमैंट इंटरनैशनल लैवल पर अपनी रफ्तार खो रहे हैं।

स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने इस जीत को सबसे स्पष्ट रूप से एक बड़े राजनीतिक बदलाव का हिस्सा बताया।

उन्होंने प्रगतिशील राजनीतिक ताकतों की चुनावी सफलता का जिक्र करते हुए कहा, ''ऐसा ब्राजील में हुआ। अभी-अभी अमेरिका में हुआ है और जल्द ही स्पेन में भी होगा।''

उन्होंने आगे कहा कि उनके विरोधियों की अगुवाई में चल रही दक्षिणपंथी लहर (फॉर -राइट वेब) अब आगे नहीं बढ़ रही है, बल्कि बिखर रही है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनस गहर स्टोर ने डेमोक्रेट्स की जीत को एक ''शक्तिशाली राजनीतिक संकेत'' बताया। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि अमेरिकी मतदाता जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण, विदेश नीति और विकास सहायता के मामलों में एक अलग दिशा चाहते हैं।

यूरोपीय संघ भी इन नतीजों को अंतरराष्ट्रीय सहयोग मजबूत करने के एक संभावित अवसर के रूप में देख रहा है। खासकर यूक्रेन और ''ग्रीन ट्रांज़िशन'' (पर्यावरण -अनुकूल बदलाव) के संदर्भ में।

यूरोपीय संसद की उपाध्यक्ष क्रिस्टेल शाल्डेमोसे ने कहा कि इन नतीजों से यूक्रेन को समर्थन, जलवायु संबंधी पहलों और दुनिया के बाकी देशों के साथ संबंधों को लाभ मिल सकता है। हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि यूरोप को वॉशिंगटन के राजनीतिक घटनाक्रम पर निर्भर रहने के बजाय, अपनी रणनीतिक आत्मनिर्भरता मजबूत करना जारी रहना चाहिए।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कहा कि डेमोक्रेट्स की जीत दुनिया के संबंधों में एक नए दौर की शुरुआत का संकेत हो सकती है।

उन्होंने कहा, ''हमने देखा है कि डेमोक्रेट्स ने सीनेट और प्रतिनिधि सभा, दोनों पर नियंत्रण हासिल कर लिया है और अमेरिका की जनता ने अपना फैसला सुना दिया है।''

अमेरिका के अन्य साझेदार देशों ने भी इस बात पर जोर दिया कि वॉशिंगटन के साथ उनके रणनीतिक संबंधों पर इन नतीजों का कोई असर नहीं पडेगा।

जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने दोहराया कि अमेरिका के साथ गठबंधन टोक्यो की विदेश और सुरक्षा नीति का आधार बना रहेगा। उन्होंने इसे जापान के राष्ट्रीय हितों और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए जरूरी बताया।

ग्रीस ने भी वॉशिंगटन के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी में किसी बदलाव की संभावना से इनकार किया। सरकार के प्रवक्ता पावलोस मारिनाकिस ने कहा कि मौजूदा समझौते और दोनों देशों की प्रमुख संयुक्त परियोजनाएं जारी रहेंगी।

वहीं, ताइवान ने अमेरिका के साथ अपने संबंधों में दोनों राजनीतिक दलों के समर्थन के महत्व पर जोर दिया। उसने कहा कि सुरक्षा, व्यापार, टैक्नॉलजी और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग मजबूत करने के लिए वह अमेरिकी कांग्रेस और कार्यपालिका, दोनों के साथ बातचीत जारी रखेगा।

अमेरिका के मध्यावधि चुनावों पर दुनिया भर से आई अलग-अलग प्रतिक्रियाएं इन नतीजों के अंतरराष्ट्रीय महत्व को दर्शाती हैं। जहां यूरोप जलवायु और यूक्रेन के मुद्दों पर नए सिरे से सहयोग की संभावना देख रहा है, वहीं भारत आर्थिक और कूटनीतिक सहयोग के संभावित अवसरों पर नजर रख रहा है। दूसरी ओर, चीन और रूस ने संकेत दिया है कि वॉशिंगटन में राजनीतिक सत्ता का संतुलन बदलने का यह मतलब नहीं है कि अमेरिका की बुनियादी रणनीतिक प्राथमिकताओं में भी बदलाव आ जाएगा।

# हैदराबाद में नकली नोटों की फैक्ट्री पकड़ी

## पुलिस ने 6.78 करोड़ के नकली नोट जब्त किए तथा चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया

- पता चला है कि आरोपियों ने यूट्यूब के वीडियो व सोशल मीडिया के जरिए नकली नोट बनाना सीखा था।

हैदराबाद, 04 नवंबर। पुलिस ने नकली नोटों की बड़ी खेप जब्त करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 500 रुपये के नोटों के बंडल में 6.78 करोड़ रुपये की नकली मुद्रा जब्त की है। आरोपियों ने सोशल मीडिया के माध्यम से नकली नोट बनाने का तरीका सीखा था। यह गैंग फिल्मी स्टाइल में पुलिस की वर्दी में अपनी गतिविधियों को अंजाम देता था।

पुलिस आयुक्त डॉ. तरुण जोशी ने बताया कि 1 नवंबर को उनकी टीम ने एनएच-65 पर रामोजी फिल्म सिटी के पास एक कार को रोका और चार आरोपियों-मादुपोजु करनाकर, चिनोला माणिक्य रेड्डी, चेरुकुपल्ली रत्नाकर रेड्डी और करणम अजय कुमार को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर एक कमरे में छापेमारी की गई, जहां से 500 रुपये के मूल्यवर्ग में 6.78 करोड़ रुपये मूल्य के नकली नोट बरामद हुए। मुख्य आरोपित असली नोटों को स्कैन करता था और सॉफ्टवेयर का उपयोग करके उनकी छवियों को एडिट करता था। उसने यूट्यूब वीडियो और सोशल मीडिया से नकली नोट बनाने का यह तरीका सीखा था। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस रैकेट में और कौन-कौन शामिल है। पुलिस ने हयातनगर के कुंतलूर में एक किराए के मकान में नकली नोट छापने की फैक्ट्री का भी पता लगाया। वहां से एक प्रिंटर, एक लैपटॉप, नोट काटने की मशीनें और अन्य उपकरण जब्त किए गए। कथित तौर पर आरोपित लोगों को डराने-धमकाने और ठगने के लिए पुलिस अधिकारी बनकर फर्जी पहचान पत्र, वॉकी-टॉकी और फर्जी पिस्टल का इस्तेमाल करते थे।

## 'भारत को ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

बिना प्रतिबंध आवाजाही की अनुमति दी है। उन्होंने इस संबंध से मिलने वाले वित्तीय लाभों को भी स्वीकार किया। जहाजों की आवाजाही में छूट संबंधी यह बयान ऐसे समय आया है, जब ईरान और अमेरिका के बीच सीधा सैन्य टकराव दोबारा शुरू होने की आशंकाएं बढ़ रही हैं। अल अरबिया के मुताबिक, अब तेहरान में किए गए आंतरिक आकलनों में अमेरिका के साथ नए सिरे से युद्ध की प्रबल संभावना मानी जा रही है। सैन्य स्तर पर ऐसे अनुमानों के बावजूद, देश के वरिष्ठ राजनीतिक नेता सैन्य प्रतिष्ठान पर कूटनीतिक रास्ता तलाशने का दबाव बना रहे हैं, ताकि तनाव को और बढ़ने से रोका जा सके।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908